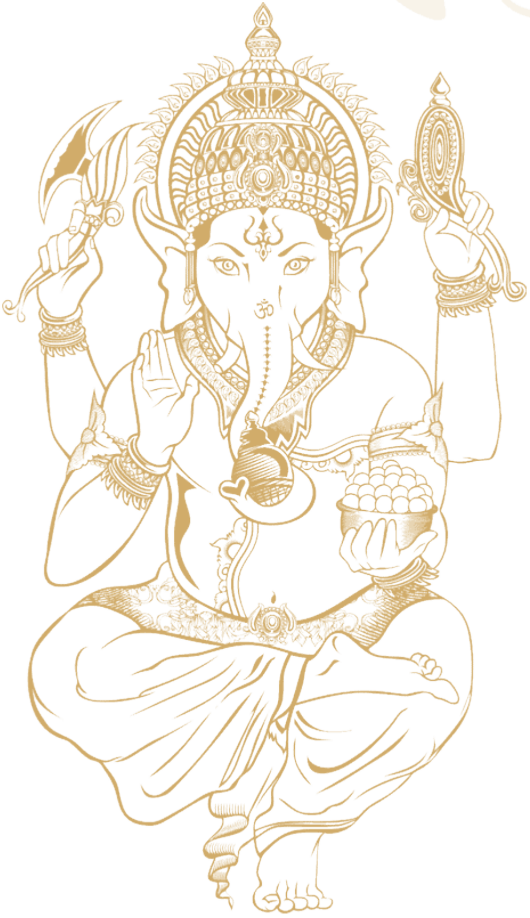

Banwari Maya

02 Feb 2026

07:11 PM

Arnhem

Model: web-freekundliweb

Order No: 121464022

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**02/02/2026**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**19:11:00 घंटे**
इष्ट	27:20:32 घटी
स्थान	**Arnhem**
देश	Netherlands

अक्षांश	51:58:00 उत्तर
रेखांश	05:55:00 पूर्व
मध्य रेखांश	15:00:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:36:20 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	18:34:40 घंटे
वेलान्तर	-00:13:42 घंटे
साम्पातिक काल	03:26:27 घंटे
सूर्योदय	08:14:47 घंटे
सूर्यास्त	17:26:11 घंटे
दिनमान	09:11:24 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	19:41:04 मकर
लग्न के अंश	08:56:53 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**मघा - 1**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	सौभाग्य
करण	कौलव
गण	राक्षस
योनि	मूषक
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मा-माणिक
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	08:56:53	251:00:46	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	---
सूर्य			मक	19:41:04	01:00:51	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	केतु	शत्रु राशि
चंद्र			सिंह	00:30:50	13:50:53	मघा	1	10	सूर्य	केतु	केतु	मित्र राशि
मंगल		अ	मक	13:52:50	00:47:00	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	राहु	उच्च राशि
बुध		अ	मक	28:21:42	01:46:21	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	सम राशि
गुरु	व		मिथु	22:56:39	00:06:28	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			मक	26:09:34	01:15:16	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	गुरु	मित्र राशि
शनि			मीन	04:35:30	00:06:01	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	सम राशि
राहु	व		कुंभ	14:49:13	00:01:19	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	14:49:13	00:01:19	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	03:14:13	00:00:04	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	05:57:56	00:01:42	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	09:31:45	00:01:54	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			मेष	29:46:07	--	कृतिका	--	3	मंगल	सूर्य	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:25

लग्न-चलित

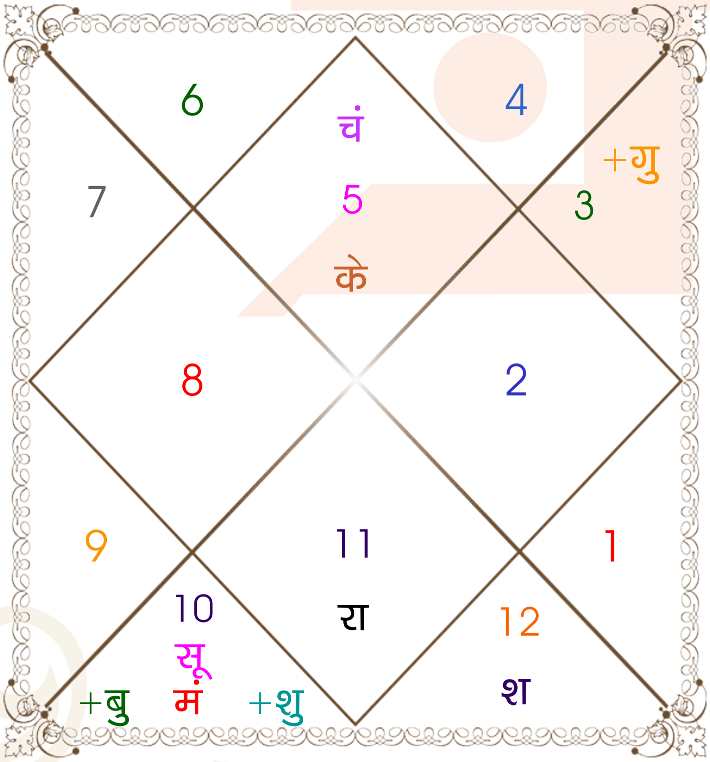

चन्द्र कुंडली

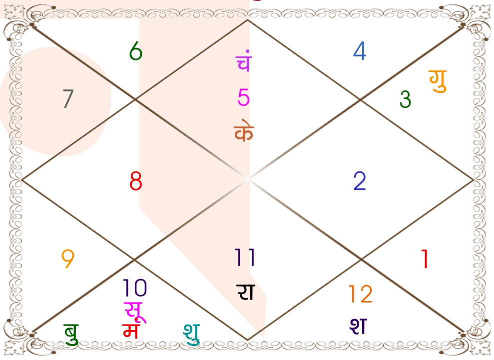

नवमांश कुंडली

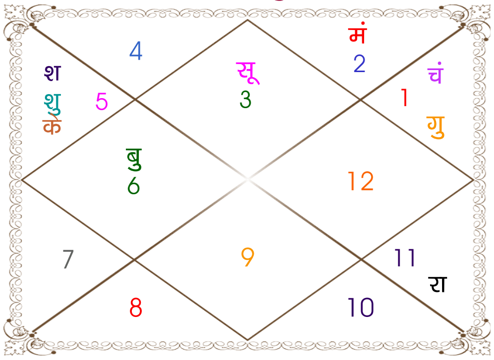

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 6 वर्ष 8 मास 23 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
02/02/2026		27/10/2032		27/10/2052		27/10/2058		27/10/2068	
27/10/2032		27/10/2052		27/10/2058		27/10/2068		27/10/2075	
केतु	25/03/2026	शुक्र	26/02/2036	सूर्य	13/02/2053	चंद्र	27/08/2059	मंगल	25/03/2069
शुक्र	25/05/2027	सूर्य	25/02/2037	चंद्र	15/08/2053	मंगल	27/03/2060	राहु	12/04/2070
सूर्य	30/09/2027	चंद्र	27/10/2038	मंगल	21/12/2053	राहु	26/09/2061	गुरु	19/03/2071
चंद्र	30/04/2028	मंगल	27/12/2039	राहु	14/11/2054	गुरु	26/01/2063	शनि	27/04/2072
मंगल	26/09/2028	राहु	27/12/2042	गुरु	02/09/2055	शनि	27/08/2064	बुध	24/04/2073
राहु	15/10/2029	गुरु	27/08/2045	शनि	14/08/2056	बुध	26/01/2066	केतु	20/09/2073
गुरु	20/09/2030	शनि	27/10/2048	बुध	21/06/2057	केतु	27/08/2066	शुक्र	20/11/2074
शनि	30/10/2031	बुध	27/08/2051	केतु	27/10/2057	शुक्र	27/04/2068	सूर्य	28/03/2075
बुध	27/10/2032	केतु	27/10/2052	शुक्र	27/10/2058	सूर्य	27/10/2068	चंद्र	27/10/2075

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
27/10/2075		27/10/2093		28/10/2109		28/10/2128		28/10/2145	
27/10/2093		28/10/2109		28/10/2128		28/10/2145		00/00/0000	
राहु	09/07/2078	गुरु	15/12/2095	शनि	31/10/2112	बुध	26/03/2131	केतु	03/02/2146
गुरु	02/12/2080	शनि	27/06/2098	बुध	11/07/2115	केतु	22/03/2132		00/00/0000
शनि	09/10/2083	बुध	03/10/2100	केतु	19/08/2116	शुक्र	21/01/2135		00/00/0000
बुध	27/04/2086	केतु	09/09/2101	शुक्र	19/10/2119	सूर्य	28/11/2135		00/00/0000
केतु	16/05/2087	शुक्र	10/05/2104	सूर्य	30/09/2120	चंद्र	28/04/2137		00/00/0000
शुक्र	16/05/2090	सूर्य	26/02/2105	चंद्र	01/05/2122	मंगल	25/04/2138		00/00/0000
सूर्य	09/04/2091	चंद्र	28/06/2106	मंगल	10/06/2123	राहु	12/11/2140		00/00/0000
चंद्र	08/10/2092	मंगल	04/06/2107	राहु	16/04/2126	गुरु	18/02/2143		00/00/0000
मंगल	27/10/2093	राहु	28/10/2109	गुरु	28/10/2128	शनि	28/10/2145		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 6 वर्ष 8 मा 24 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मघा नक्षत्र के तृतीय चरण में सिंह लग्नोदय काल में हुआ था। जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर सिंह लग्न के साथ-साथ मिथुन राशि का नवमांश एवं सिंह राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्मकालिक प्रभाव से ऐसा दृष्टिगोचर हो रहा है कि आप सर्वविद्या संपन्न, सभी सुविधाओं से युक्त, सौभाग्यशाली पुरुषों में अद्वितीय है। आपके जन्म से यह आनंद युक्त प्रभावशाली जीवन प्राप्त हुआ है। आप में सभी प्रकार के अपेक्षित गुण विद्य मान है। आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली सुंदर, पूर्ण विकसित अंग के साथ-साथ चौड़ा कंधा, एवं आंखें आकर्षक है। आप विद्वान, संपूर्ण गुणों से युक्त एवं सक्षम अपने उद्देश्य के लिए समर्पित पूर्ण निष्ठावान, आश्वस्त तथा साहसी पुरुष हैं।

आप में उत्तम प्रकार का चारित्रिक बल विद्यमान है। आप में ऐसे प्राकृतिक गुण हैं कि आपकी अच्छी आय की प्राप्ति होगी तथा जनसामान्य द्वारा अधिकार पूर्ण सम्मान भी प्राप्त होगा। आप मित्रों के द्वारा समर्थित शुभाकांक्षी एवं अपने पारिवारिक सदस्यों द्वारा पसंद एवं श्रद्धावान होगें।

आप में जन्म से नेतृत्व के सभी गुण विद्यमान हैं। आप अपने व्यवसाय में उच्च स्तरीय उन्नति करेंगे। आप कार्य व्यवसाय के बारे में आत्म समर्पित होकर उसके पीछे-पीछे वैधानिक रीति से अपने उद्देश्य में सफल हो, तो आप दूसरे के आदेश को ग्रहण नही करते।

आप गंभीर विषयों पर स्वयं विचार कर निर्णय लेंगे परंतु छोटी बातों पर विचार हेतु अपने अधिनस्थ कार्यकर्त्ता पर छोड़ देंगे। क्योंकि आप बड़ी कंपनी अथवा कारपोरेशन के उच्च कोटि के पद पर आसीन होकर लाभान्वित होंगे।

आप अपने अभिभावक के प्रति पूर्ण आस्थावान एवं समर्पित व्यक्ति हैं तथा आपका सुझाव धार्मिक एवं अध्यात्म की ओर है एवं आप इच्छुक तथा जरूरत मंद लोगों की सहायता अवश्य करते हैं। आप दानशील हैं तथा आपकी इच्छा रहती है कि यदि धन उपलब्ध हो तो निश्चित रूप से दान पुण्य तथा जरूर मंद अन्य लोगों की मदद करें।

आप जनसामान्य की नजरों में एक प्रभावशाली महत्वाकांक्षी होकर समाजसेवी के रूप में अपनी धाक जमाने वाले हैं। इस प्रकार की भावनाओं की पूर्ति हेतु आपको अपनी छोटी थैली को धन से सुदृढ़ करना पड़ेगा। आप चाहते हैं कि आप अपने परिवार सहित किसी भी धार्मिक तथा सामाजिक सम्मेलन में भाग लेकर बहुत धन दान कर आयोजन को सफल बनाने का कार्य करें। साथ ही आप अपने गृह को सुंदर बनावट एवं सुसज्जित कर अपने मित्रों की दृष्टि में सम्मानित हों। परिणाम स्वरूप एक दिन आपको यह अनुभव करना होगा कि मेरी धन संपत्ति की बड़ी क्षति होगी। अतः आपको अपनी उच्च आय के प्रति सामंजस्य व्ययकारी प्रवृति में बदलाव लाना चाहिए ताकि कालांतर में अति व्ययकारी प्रवृति के प्रति पश्चाताप न करना पड़े।

सामान्यतया आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा परंतु आपकी उत्तेजनात्मक प्रवृत्ति जीवन

को क्षयरोग से बाधित कर सकता है। यह संभव है कि आप की बृद्धावस्था हृदय रोग एवं मेरुदंडीय कष्ट से युक्त हो। आपको अपनी उत्तेजनात्मक प्रवृत्ति, अति भोजन मद्यपान आदि सभी हानिकारक वस्तुओं का एक साथ त्याग कर देना चाहिए।

आप वास्तव में अपने मित्रों के मित्र हैं। आप अपने ढंग से उनकी मदद करेंगे। ताकि एक व्यक्ति ही नही सभी व्यक्तियों के द्वारा आप महत्वपूर्ण एवं सम्मानित समझे जाएं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, ंमंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए भाग्यशाली अंक 1, 4 5, 6 एवं 9 अंक अनुकूल है। परंतु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके लिए अनुपयुक्त अर्थात् विरोधात्मक है।

आप यदि अधिक लाभ उपार्जित करना चाहते हैं तो रंग नारंगी, लाल एवं हरे रंग के वस्त्रों का व्यवहार करें परंतु काला और सफेद रंग आपके लिए त्याज्यनीय है।